बीकानेर लाईव

डिजिटल ई-पेपर

bikaner_live
Bikanerlivenews
Bikanerlivenews
bikanerlive
9785522911

UDYAM-RJ-08-0010902

हर खबर आपके पास/www.bikanerlive.com

» वर्ष : 05 | अंक :35 | गुरूवार 05 फरवरी, 2026 | » मूल्य :03 रूपये | » पृष्ठ : 04

मिसाइल तकनीक में भारत की बड़ी छलांग

‘सुपर ब्रह्मोस’ पर काम कर रहा देश, दुश्मन भी नहीं पकड़ सकेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व प्रमुख और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए. शिवथनु पिल्लै ने कहा कि भारत तेजी से रक्षा और आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसकी बड़ी वजह देश में बनी (स्वदेशी) हाइपरसोनिक तकनीक और तेजी से बढ़ता अंतरिक्ष क्षेत्र है।

डॉ. पिल्लै ने बताया कि भारत अब सामान्य मिसाइल तकनीक से आगे बढ़कर ‘सुपर ब्रह्मोस’ पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अभी ब्रह्मोस मिसाइल की गति मैक-3 है, लेकिन लक्ष्य इसे मैक-7 जैसी हाइपरसोनिक गति तक ले जाना है। उन्होंने समझाया कि गति जितनी ज्यादा होगी, मिसाइल की ताकत उतनी ही ज्यादा होगी। इतनी तेज मिसाइल को दुश्मन का रक्षा तंत्र पकड़ नहीं पाएगा। डॉ. पिल्लै ने कहा कि वे 40 साल तक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के साथ जुड़े रहे और आज भी भारत उनके दिखाए रास्ते पर चलकर एक विकसित देश बनने की ओर बढ़ रहा है।

खास बातें

- मैक-7 की हाइपरसोनिक गति से चलेगी
- स्वदेशी हाइपरसोनिक तकनीक पर काम कर रहा भारत
- पनडुब्बी, युद्धपोत, लड़ाकू विमान या जमीन से लॉन्च किया जा सकेगा
- आधुनिक गाइडेंस और कंट्रोल सिस्टम लगे हुए हैं

दुनिया के शीर्ष देशों में भारत शामिल

हाइपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस

डॉ. पिल्लै ने कहा कि भारत ने पहले ही 1,000 सेकंड तक हाइपरसोनिक तकनीक का सफल परीक्षण कर लिया है, जिससे वह दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल देने के बाद कई अन्य देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ में ब्रह्मोस की सफलता के बाद इसकी मांग और बढ़ी है। डॉ. पिल्लै ने यह साफ किया कि भारतीय सेना को जो ब्रह्मोस दी जाती है, वह निर्यात की जाने वाली मिसाइलों से ज्यादा उन्नत होती है। उन्होंने सरकार द्वारा रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) पर बढ़ाए गए खर्च और एएमसीए जैसे स्वदेशी फाइटर जेट प्रोजेक्ट की भी तारीफ की।

डॉ. ए. शिवथनु पिल्लै

भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

डॉ. पिल्लै ने कहा कि भारत इस समय दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। गगनयान मिशन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बिना इंसान वाले मिशन भेजे जाएंगे, जिनमें एक रोबोट लड़की होगी, जिससे अंतरिक्ष से वापसी और सुरक्षा की जांच की जाएगी। उसके बाद प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा जाएगा।

400 अंतरिक्ष स्टार्टअप

उन्होंने बताया कि भारत में अब करीब 400 अंतरिक्ष स्टार्टअप काम कर रहे हैं, जैसे अग्निकुल और स्काईरूट। ये इसरो के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उसके सहयोगी हैं और सैटेलाइट व रॉकेट की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद कर रहे हैं।

डीआरडीओ और रूस ब्रह्मोस के नए वर्जन को अधिक माडर्न बनाने का काम कर रहे

भारत-रूस लॉन्ग रेंज हाइपरसोनिक ब्रह्मोस पर काम करना शुरू कर दिया है। इस संयुक्त परियोजना के तहत भारत की डीआरडीओ और रूस की एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया ब्रह्मोस के नए वर्जन को अधिक माडर्न बनाने का काम कर रहे हैं। इसमें पहले मौजूद ब्रह्मोस का अपग्रेडेशन के साथ नई मिसाइलों को विकसित करने की योजना है। एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया के सीईओ और चीफ डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव ने कहा कि भारत और रूस मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल को लगातार बेहतर बना रहे हैं और साथ ही हाइपरसोनिक तकनीक पर भी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस परियोजना के तहत छोटे आकार की मिसाइलों और अगली पीढ़ी की तकनीकों पर भी रिसर्च जारी है। ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसमें आधुनिक गाइडेंस और कंट्रोल सिस्टम लगे हैं। इसे पनडुब्बी, युद्धपोत, लड़ाकू विमान या जमीन से लॉन्च किया जा सकता है।

अलेक्जेंडर लियोनोव

खबर संक्षेप

फ्रांस में एक्स के दफ्तर पर छापा, जांच शुरू

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में सरकारी अभियोजकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ के दफ्तरों में छापामारी की। यह कार्रवाई एक प्रारंभिक जांच के तहत की गई है, जिसमें कई गंभीर अपराधों के आरोपों की जांच की जा रही है। मामले की जांच साइबर अपराध इकाई द्वारा पिछले साल जनवरी में शुरू की गई थी। जांच में यह देखा जा रहा है कि क्या एक्स ने नाबालिगों से जुड़े अश्लील कंटेंट के प्रसार में किसी तरह की भूमिका निभाई है।

ऑस्ट्रेलिया में गांधी की कांस्य प्रतिमा चोरी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में स्थित ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी सेंटर से महात्मा गांधी की एक कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई है। यह प्रतिमा भारत सरकार की तरफ से भेंट की गई थी। 12 नवंबर 2021 को ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन पीएम स्कॉट मॉरिसन ने इसका उद्घाटन किया था। इस घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक यह घटना 12 जनवरी की रात करीब 12:50 बजे हुई। नॉक्स क्राइम इन्वेस्टिगेशन यूनिट इस चोरी की जांच कर रही है।

क्या भारत बंद करेगा रूसी तेल खरीद?

ट्रंप के ऐलान पर रूस बोला- नई दिल्ली से नहीं मिला कोई इशारा

अमेरिका और भारत के बीच हुए समझौते को ‘फादर ऑफ ऑल डील्स’ भी कहा जा रहा

रूस बोला- भारत के साथ संबंध मजबूत बने रहेंगे | भारतीय रिफाइनरीज ने अब तक रूस से रद्द नहीं किए समझौते

एजेंसी ⏭ मॉस्को

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस समझौते को ‘फादर ऑफ ऑल डील्स’ भी कहा जा रहा है। इस मामले पर अब रूस का बयान भी सामने आ गया है। रूसी सत्ता के केंद्र ‘क्रेमलिन’ के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को कहा कि उसे भारत से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद वह रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा।

पेस्कोव ने कहा कि हमें इस मामले पर नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला है। रूस भारत के साथ संबंधों पर ट्रंप की टिप्पणियों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहा है। पेस्कोव ने कहा कि हम अमेरिका-भारत के द्विपक्षीय संबंधों का सम्मान करते हैं। लेकिन हम रूस और भारत के बीच एक उन्नत रणनीतिक साझेदारी के विकास को भी उतना ही महत्व देते हैं। यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है और हम दिल्ली के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने का इरादा रखते हैं।

स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे

डोनाल्ड ट्रंप पीएम नरेंद्र मोदी व्लादिमीर पुतिन

रूस के डिप्टी पीएम अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा कि सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि रूस को भारत द्वारा रूसी तेल को अस्वीकार करने की संभावना के संबंध में केवल अमेरिका की ओर से सार्वजनिक बयान ही देखने को मिले हैं। मंत्रिमंडल में ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे नोवाक ने कहा कि अभी तो सिर्फ सार्वजनिक बयान ही सामने आए हैं। देखते हैं आगे क्या हालात बनते हैं। उन्होंने कहा कि रूस को भरोसा है कि उसके ऊर्जा संसाधनों की वैश्विक स्तर पर मांग बनी रहेगी, क्योंकि वे आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बनाए रखते हैं। कुल मिलाकर, हमारे ऊर्जा संसाधनों की मांग बनी हुई है। आपूर्ति हमेशा मांग के अनुरूप बनी रहेगी क्योंकि संतुलन कायम है। रूस के ऊर्जा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि उन्हें भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से अनुबंध रद्द करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है।

मांग का 88% आयात कर रहा भारत

भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदता है, जिसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिवर्तित किया जाता है। वर्ष 2021 तक भारत द्वारा आयात किए गए कुल कच्चे तेल में रूसी तेल का हिस्सा मुश्किल से 0.2 प्रतिशत था। विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश भारत, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा मॉस्को से दूरी बनाने के बाद रियायती रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया।

रिफाइनरीज मार्च तक का समय चाह रही

भारत-अमेरिका समझौते से भारतीय रिफाइनरीज के आगे समस्या खड़ी हो गई है, क्योंकि वो फौरन रूसी तेल को रोक नहीं सकते हैं। उन्होंने पहले से ही डील कर रखी है, उसकी डिलिवरी भी करनी है। कंपनियों को अब रूस से तेल पर पूरी तरह से पाबंदी लगाने की शर्त को मानने के लिए विंड डाउन पीरियड की जरूरत है। कंपनियों ने जो तेल खरीद रखे हैं, उनकी आपूर्ति मार्च तक ही हो पाएगी। भारतीय रिफाइनर्स ने फरवरी में तेल टैंकरों के लिए कार्गो बुक किए हैं, जो मार्च तक ही पहुंच पाएंगे। ऐसे में इन कंपनियों को मार्च तक की मोहलत चाहिए, ताकि जो करार ये कर चुकी हैं, वो समय रहते पूरी की जा सकें।

रूस से कच्चे तेल का आयात घटाया

जनवरी के पहले तीन हफ्तों में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 11 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जबकि पिछले महीने यह औसतन 12.1 लाख बैरल प्रति दिन था और 2025 के मध्य में आयात 20 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक होने का अनुमान था। इराक अब रूस के लगभग बराबर मात्रा में आपूर्ति कर रहा है, जो दिसंबर 2025 में औसतन 9,04,000 बैरल प्रति दिन से ज्यादा है। सऊदी अरब से भी तेल का उत्पादन जनवरी में बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रति दिन हो गया, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रति दिन और अप्रैल 2025 में 5,39,000 बैरल प्रति दिन के निचले स्तर पर था।

सुप्रीम कोर्ट की मेटा को कड़ी फटकार

संविधान का पालन नहीं कर सकते, तो भारत को छोड़ दें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर मेटा (मेटा) को सख्त चेतावनी दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि तकनीकी कंपनियां भारत में रहकर नागरिकों के निजता अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकतीं। अदालत ने यहां तक कह दिया कि अगर कंपनियां संविधान का पालन नहीं कर सकतीं, तो उन्हें देश छोड़ देना चाहिए।

अदालत मेटा और वाट्सएप की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती दी है। इस फैसले में प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा 2021 की वाट्सएप प्राइवेसी पॉलिसी पर लगाए गए 213.14 करोड़ रुपए के जुर्माने को बरकरार रखा गया था।

आम जनता की समझ से परे पॉलिसी

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वाट्सएप के बाजार में दबदबे के कारण यूजर्स के पास सीमित विकल्प हैं। अदालत ने सवाल उठाया कि क्या आम लोग कंपनी की जटिल प्राइवेसी पॉलिसी को समझ सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि यूजर्स की सहमति तभी मान्य होगी, जब वह स्पष्ट और समझने योग्य हो। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यूजर्स का डेटा केवल संग्रहित ही नहीं किया जा रहा, बल्कि उसका व्यावसायिक उपयोग भी किया जा रहा है। अदालत ने यह भी पूछा कि वाट्सएप किस तरह यूजर डेटा का इस्तेमाल टारगेटेड विज्ञापन के लिए करता है।

» 9 फरवरी को आएगा अंतरिम आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी इस याचिका में एक पक्ष बनाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कंपनियों को चेतावनी दी है कि या तो वे डेटा शेयर न करने का लिखित आश्वासन दें, वरना अदालत को आदेश पारित करना होगा। बेंच ने कहा कि इस मामले में 9 फरवरी को अंतरिम आदेश पारित किया जाएगा। कंपनियों की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और अखिल सिब्बल ने कहा कि वाट्सएप मैसेज एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन से सुरक्षित होते हैं और कंपनी उन्हें पढ़ नहीं सकती। साथ ही बताया गया कि जुर्माने की राशि पहले ही जमा कर दी गई है। मेटा ने डेटा उपयोग से जुड़े पहलुओं को स्पष्ट करने के लिए हलफनामा दाखिल करने पर सहमति जताई है। कोर्ट ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई अगले सप्ताह तक टाल दी।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को बड़ी सफलता

पालघर में माउंटेन टनल-6 का ब्रेकथ्रू, दो सुरंगों का उत्खनन पूरा

एजेंसी ⏭ मुंबई

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज की गई है। इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की माउंटेन टनल-6 का ब्रेकथ्रू सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस उपलब्धि का अवलोकन किया। यह सुरंग महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहाणू रोड क्षेत्र में स्थित है। महाराष्ट्र में प्रस्तावित सात पर्वतीय सुरंगों में से पहली माउंटेन टनल का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया है। वहीं आठ में से दो सुरंगों का उत्खनन कार्य भी समाप्त हो चुका है। बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किमी लंबी सुरंग में 5 किमी एनएटीएम टनल का उत्खनन पूरा कर लिया गया है।

508 किमी लंबा है हाई-स्पीड कॉरिडोर

पालघर में माउंटेन टनल-6

इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किमी है, जो महाराष्ट्र और गुजरात के बीच तेज, सुरक्षित और आरामदायक कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। कुल 508 किमी रूट में से 334 किमी वायाडक्ट और 417 किमी पियर्स का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा 17 नदी पुल, 5 पीएससी पुल और 13 स्टील पुल भी बनकर तैयार हो गए हैं।

4.9 लाख से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए

247 किमी लंबे रूट पर 4.9 लाख से अधिक नॉइज बैरियर्स लगाए जा चुके हैं। ट्रैक निर्माण की बात करें तो 308 ट्रैक किमी, यानी 154 रूट किमी आरसी ट्रैक बेड तैयार किया जा चुका है। मुख्य मार्ग पर लगभग 125 रूट किमी क्षेत्र में 5,400 से ज्यादा ओवरहेड इलेक्ट्रिक मास्ट लगाए जा चुके हैं, जिससे इलेक्ट्रिफिकेशन का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत-भूटान सहयोग को मजबूती

1200 मेगावाट बिजली परियोजना शुरू होगी, कमर्शियल यूज पर चर्चा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत और भूटान ने बिजली क्षेत्र में अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री जेम त्शेरिंग ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर इस दिशा में विस्तृत चर्चा की। बैठक में पुनात्सांगछू-2 जलविद्युत परियोजना (1020 मेगावाट) से बिजली उत्पादन के व्यावसायिक उपयोग पर विचार किया गया। इसके साथ ही पुनात्सांगछू-1 जलविद्युत परियोजना (1200 मेगावाट) को जल्द शुरू करने पर भी जोर दिया गया।

सांकोश जलविद्युत परियोजना के भविष्य की रूपरेखा पर भी बात हुई। इसके अलावा, वर्ष 2040 तक ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना पर दोनों देशों के बीच विस्तृत परामर्श जारी रहने पर सहमति बनी। भूटान में कम जल प्रवाह वाले महीनों के दौरान बिजली शेड्यूलिंग की मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों ने भारत और भूटान के बीच गहरी मित्रता की सराहना की।

सिंगापुर एयर शो में सारंग टीम का दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना सिंगापुर एयर शो 2026 में पूरे दमखम के साथ हिस्सा ले रही है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर वायुसेना की मशहूर सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अपने शानदार और सटीक हवाई करतबों से भारत की वायु शक्ति और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन कर रही है। सारंग टीम पूरी तरह स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ‘ध्रुव’ का प्रदर्शन कर रही है। यह हेलीकॉप्टर भारत की आत्मनिर्भर रक्षा क्षमताओं और ‘मेक इन इंडिया’ पहल का सशक्त उदाहरण है।

दुनिया के सबसे बड़े हनीट्रैप को लेकर अब एक और बड़ा दावा

एपस्टीन फाइल्स में 1000 बार लिया गया पुतिन का नाम

रूस से लड़कियों की तस्करी का ‘हनीट्रैप’ संदेह | पुतिन के साथ बैठकों और रूसी वीजा पर चर्चा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी के जेफरी एपस्टीन मामले में बड़ा नाम सामने आया है। एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के ताजा रिलीज में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से जोड़ने वाले हजारों मैसेज मिले हैं। इन मैसेजों के जरिए एक नई थ्योरी सामने आई है कि एपस्टीन असल में काम किसके लिए करता था? इन जारी ईमेल्स से पता चलता है कि कुछ अनजान सोर्स एपस्टीन और रूसी राष्ट्रपति के बीच मीटिंग्स के बारे में बात कर रहे थे। शुक्रवार को जारी किए गए डॉक्यूमेंट्स में पुतिन का नाम लगभग 1,000 बार आया है, जबकि मॉस्को का जिक्र लगभग 10,000 बार किया गया है।

पुतिन से मीटिंग का जिक्र

जेफरी एपस्टीन

मई 2013 में, एपस्टीन ने काउंसिल ऑफ यूरोप के सेक्रेटरी जनरल थोरबजोर्न जगलैंड को एक ईमेल में लिखा कि वह पुतिन और रूस को फाइनेंशियल सिस्टम को फिर से बनाने में मदद करना चाहता है। उसी महीने, इजराइल के पूर्व पीएम एहूद बराक को एक ईमेल में, एपस्टीन ने दावा किया कि पुतिन ने उनसे मिलने की कोशिश की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। साल 2018 में, एपस्टीन ने राष्ट्रपति ट्रंप के तत्कालीन व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ, स्टीव बैनन को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और जैगलैंड के बीच होने वाली एक मीटिंग के बारे में ईमेल किया था। इसके कुछ ही समय बाद, एपस्टीन ने जैगलैंड को एक ईमेल में लिखा कि लावरोव मुझसे बात करके जानकारी हासिल कर सकते हैं।

शांति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर हमला

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर एक बहुत बड़ा हमला किया है। इस दौरान रूस ने लगभग 450 लंबी दूरी के ड्रोन और 70 अलग-अलग तरह की मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में शांति वार्ता करने वाले हैं। जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने यूक्रेन के पांच राज्यों में बिजली ग्रिड को निशाना बनाया। कड़ाके की ठंड के बीच रूस का मकसद नागरिकों को बिजली, पानी और हीटिंग से महरूम रखना है।

रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला

घरों, स्कूलों को पहुंचा नुकसान

जेलेंस्की ने कहा कि रूस कूटनीति के बजाय लोगों को डराने में ज्यादा यकीन रखता है। राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार, राजधानी कीव में पांच लोग घायल हुए हैं। वहां कई घरों, एक स्कूल और गैस स्टेशन को नुकसान पहुंचा और उसमें आग लग गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमले की वजह से 1,170 इमारतों में हीटिंग की सुविधा बंद हो गई है। फिलहाल मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। कुछ अपार्टमेंट और बिल्डिंग को छोड़कर बाकी सभी जगहों पर बिजली बहाल कर दी गई।

आतंकियों से बड़ी मुठभेड़

उधमपुर में सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरा, सघन सर्च ऑपरेशन जारी

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के मजलता इलाके में सुरक्षा बलों और जैश के आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सेना को 2-3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पूरे इलाके को घेर लिया गया है। सुरक्षा बल आतंकियों को पकड़ने के लिए सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, चिगला बलोता क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान तेज कर दिया। पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और सर्च ऑपरेशन अब भी जारी है।

मुठभेड़ के बाद इलाके में सतर्कता और बढ़ा दी गई है। सेना के व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर इस ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा कि एक इंटेलिजेंस आधारित जॉइंट ऑपरेशन में भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने मंगलवार शाम करीब 4 बजे बसंतगढ़ के सामान्य इलाके में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया है।

खेजड़ी बचाओ आंदोलनः 36 घंटे का आमरण अनशन, प्रशासन हतप्रभ – संतों के संकल्प के आगे झुकी सत्ता की भाषा

बीकानेर लाईव

प्रकृति बचाओ आंदोलन के तहत चल रहे आमरण अनशन को 36 घंटे पूरे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन की नींद अब भी अधूरी है। खेजड़ी जैसे पवित्र और जीवनदायिनी वृक्ष को बचाने के लिए 29 भगवाधारी संतों के नेतृत्व में 80 महिलाओं सहित करीब 500 लोग अन्न-जल त्याग कर कलेक्ट्रेट परिसर में डटे हुए हैं। यह कोई सामान्य आंदोलन नहीं, बल्कि प्रकृति की अस्मिता और भविष्य की पीढ़ियों के अस्तित्व की लड़ाई है।अनशनकारियों ने पानी की एक बूंद तक गले से न उतारने का कठोर संकल्प लिया है। भूखे-प्यासे, लेकिन अडिग। शांत, लेकिन भीतर ज्वालामुखी। भजन-कीर्तन के बीच चल रहे इस आंदोलन में उस समय भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जब सभी अनशनकारी महाराजा गंगा सिंह जी की प्रतिमा के पास स्थित खेजड़ी के वृक्ष तक पहुंचे और सामूहिक पूजा-अर्चना कर प्रशासन के सामने अपना 'यक्ष प्रश्न' दोहराया–बिना हिंसा के, लेकिन पूरी दृढ़ता के साथ, अपनी मांगें मनवाकर ही रहेंगे। सुबह छह बजे संतों के सान्निध्य में खेजड़ी पूजन हुआ। प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए, लेकिन जब आंदोलन की शांति और अनुशासन सामने आया तो आला अधिकारी भी तारीफ किए बिना नहीं रह सके। सैकड़ों लोग मुंह पर उंगली रखे, मौन संकल्प में खड़े थे। यह दृश्य किसी आंदोलन का नहीं, बल्कि जनचेतना की जीवंत तस्वीर था।हालांकि इस तपस्या की कीमत अब शरीर वसूलने लगा है। किडनी पेशेंट अनशनकारी डाबला निवासी सुभाष की तबीयत बिगड़ गई। हालात की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर ने एडीएम सिटी रमेश देव सहित अधिकारियों को पुनः वार्ता के लिए भेजा। विश्नोई धर्मशाला में अस्थायी अस्पताल बनाया गया, जहां 17 अनशनकारियों की जांच की गई। इनमें से चार को पीबीएम अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, जिनमें संत लालदास महाराज और सरनव आश्रम सांचौर के संत रामेश्वर दास शामिल हैं। स्वयंसेवकों ने बिना किसी शोर- शराबे के सेवा संभाली। चिकित्सा, व्यवस्था और अनुशासन– सब कुछ आंदोलनकारियों के स्तर पर ही दिखा, जो प्रशासन के लिए आईना है। पूरे घटनाक्रम के दौरान आईएएस मयंक मनीष, आरएएस कुलराज मीणा, रणजीत बिजारणियां, कुणाल राहड़, उप निदेशक डॉ. देवेंद्र चौधरी, सीएमएचओ डॉ. पुखराज साध सहित दर्जनभर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। सुलह का रास्ता निकालने के प्रयास जारी हैं, लेकिन सवाल यही है,क्या सरकार खेजड़ी बचाने का कानून बनाएगी या इतिहास खुद को दोहराएगा? राज्य भर से आए वक्ताओं के संबोधनों से माहौल बेहद उत्साहपूर्ण है। संत भागीरथ दास और समिति संयोजक परसाराम खोखर ने सरकार से स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पर्यावरण प्रेमियों की मांगें अब टाली नहीं जा सकतीं। यह आंदोलन चेतावनी है–प्रकृति को नजरअंदाज किया गया तो जनता चुप नहीं बैठेगी। खेजड़ी बचेगी, तभी भविष्य बचेगा।

रमक झमक मंच पर एसबीआई ने बांटी 40 लाख की गड्डियां

आज तैयार होंगे बड़ पापड़

बीकानेर। रमक झमक मंच पर एस बीआई बैंक ने बुधवार को कैश विनिमय काउंटर लगाकर सावा वाले परिवार को नए नोटों की गड्डियां वितरण की। रमक झमक के अध्यक्ष प्रहलाद ओझा 'भैरूं' ने बताया एस बी आई के सहायक महाप्रबंधक सुजीत कुमार ने सावा की महत्ता और मांग को देखते हुए यह सुविधा उपलब्ध करवाई जिसमें मुख्य प्रबंधक वीरेंद्र काला के निर्देशन में चीफ कैशियर अरुण आचार्य ने 10 20 50 100 200 के नोटों की लगभग 40 लाख रुपए की गड्डियां वितरण की । विनिमय काउंटर की व्यवस्था में पूर्व मुख्य प्रबंधक एम एम एल पुरोहित का एवं सुचारू संचालन करने में राधे ओझा,गिरिराज व्यास,मुरली ओझा एवं मुकेश का सहयोग रहा। रमक झमक की ओर से अरुण आचार्य को रमक झमक ओपरना एवं माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सत्कार किया गया वहीं एस बी आई सहायक महा प्रबंधक सुजीत एवं मुख्य प्रबंधक वीरेंद्र काला को धन्यवाद पत्र जारी किया ।

रमक झमक में तैयार होगें बड़ पापड़

पुष्करणा सावा के खिरोड़ा की रस्म में काम आने वाले बड़ पापड़ कल रमक झमक में तैयार होगे। सावा में सबसे बड़े लोगों के सम्मान का प्रतीक बड़ पापड़ से पहले मंगलाचरण होगा।सुहागिनें गीत गाती हुई इन्हें तैयार करेगी।सुहाग प्रतीक चिन्ह और मंगल चिन्ह अंकित करेगी। प्रहलाद ओझा भैरूं बताते हैं कि इन बड़ पापड़ की रस्म अनूठी होती है।ये खाने वाले नहीं बाँचने वाले होते है। परंपरा लुप्त हो रही है इसे बचाने के लिए रमक झमक तैयार करता है और जिन्हें आवश्यकता होगी उन्हें निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

भारतीय वायुसेना भर्ती टीम द्वारा जिले में भर्ती प्रक्रिया की जानकारी एवं करियर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर लाईव

बीकानेर,4 फरवरी। कैरियर जागरूकता एवं वायुसेना की भर्ती प्रक्रिया से संबंधित जानकारी देने हेतु बुधवार को वायु सेना चयन केंद्र, जोधपुर भारतीय वायुसेना टीम द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कमान अधिकारी विंग कमांडर अभिषेक कटोच के नेतृत्व में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में वायु सेना चयन केंद्र के कमान अधिकारी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक पूरी भर्ती प्रक्रिया की चरणबद्ध जानकारी दी। शैक्षणिक योग्यता मानदंडों एवं परीक्षा के पैटर्न से बच्चों को सफलता प्राप्त करने हेतु कठोर परिश्रम करने हेतु प्रेरित किया गया। भारतीय वायुसेना में अग्निवीर एवं अधिकारी पदों पर भर्ती की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विद्यार्थियों के प्रश्नों के समाधान भी किए गए। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों के पालन , अनुशासन हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में वायुसैनिक चयन केंद्र जोधपुर से कमान अधिकारी के साथ आई प्रचार टीम के पदाधिकारियों सार्जेंट अवध किशोर शर्मा एवं सार्जेंट नरपत दान एवं टी आर भील एवं अंकित का योगदान रहा । कार्यक्रम के संचालन में संस्थान के उप निदेशक कैलाश शर्मा, कॉर्डिनेटर अनवर एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रशासन की विशेष भूमिका रही।

विवाह के लिए आवश्यक सामग्री एवं नकद राशि भेंट की

बीकानेर लाईव

बीकानेर हिमालय परिवार की प्रांतीय उपाध्यक्ष डा. सुषमा बिस्सा के पहल पर आर्थिक रूप से कमजोर दो बच्चियों के विवाह के लिए आवश्यक सामान व नगद राशि भेंट की। आरके शर्मा ने बताया कि हिमालय परिवार के सदस्यों से संग्रहित राशि व उपहार भेंट करते समय जिलाध्यक्ष नरेश अग्रवाल, संरक्षक बिहारीलाल शर्मा, सरस्वती शर्मा उपस्थित रहे।

वर्ल्ड कैंसर डेः निःशुल्क पेप स्मीयर जांच शिविर का आयोजन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अनूठी पहल - कैंसर से डरना नहीं, लड़ना है समय पर जांच ही सबसे बड़ा बचाव है

बीकानेर लाईव

बीकानेर, 4 फरवरी 2026। 'समृद्ध राष्ट्र योजना' के अंतर्गत आरोग्यम प्रोजेक्ट के तहत आज तेरापंथ महिला मंडल, बीकानेर द्वारा कैंसर जागरूकता और बचाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। पवनपुरी स्थित बोथरा लैब में निःशुल्क पेप स्मीयर (PAP Smear) जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की मुख्य विशेषताएं:

निःशुल्क जांचः शिविर के दौरान 43 महिलाओं की पेप स्मीयर जांच सफलतापूर्वक की गई, जो सर्वाइकल कैंसर के शुरुआती संकेतों को पहचानने में अत्यंत सहायक है।

विशेषज्ञ परामर्शः विख्यात चिकित्सक डॉ. सुचिता जी बोथरा और डॉ. साइन आफताब ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

महत्वपूर्ण जानकारीः डॉ. सुचिता जी बोथरा ने महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के लक्षणों, कारणों और बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से जागरूक किया।

मुख्य अतिथिः राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बबिता जी जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर टीम के प्रयासों की सराहना की।

सम्मान एवं सेवा भाव कार्यक्रम के दौरान सेवा का जज्बा रखने वाली 'टीम जीवन रक्षा' का महिला मंडल द्वारा विशेष सम्मान किया गया। टीम के सदस्यों को सर्टिफिकेट और शॉल भेंट कर उनकी कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की गई।कार्यक्रम संयोजिका शांताजी भूरा, मंत्री रेणु बोथरा, नीतू रामपुरिया, अलका नाहटा,चंद्रकला महात्मा हीरामणि नौलखा, कुसुम नौलखा, पूजा नौलखा, स्वाति कोठारी, सुरभि झाबक, रेखा बोथरा, कुसुम बैगानी आदि की सराहनीय उपस्थिती रही

बीकानेर में बजट 2026 पर संवाद कार्यक्रम आयोजित, युवा-महिला-किसान-श्रमिकों के लिए ऐतिहासिक सौगात : राजेश गुर्जर

बीकानेर लाईव

बीकानेर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से बजट 2026 विषय पर संवाद कार्यक्रम बीकानेर संभाग मुख्यालय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विस्तारक योजना के प्रदेश संयोजक राजेश गुर्जर ने बजट 2026 के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह बजट युवा शक्ति, महिला शक्ति, किसान और श्रमिक वर्ग सभी के लिए एक बड़ी सौगात है तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि बजट में रोजगार, स्वावलंबन, ग्रामीण विकास और सामाजिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी गई है, जिससे अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचेगा। कार्यक्रम में देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, केंद्रीय बजट अभियान जिला संयोजक कौशल शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता भवानी पालीवाल, डॉ. चेतन राजपुरोहित, जिला महामंत्री दिलीप सिंह, महावीर चारण, कैलाश बिश्नोई, तोलाराम कूकणा, पवन स्वामी, जिला उपाध्यक्ष मोतीलाल हर्ष, तरुण स्वामी, धर्मेंद्र सिंह सोलंकी, भंवर जांगीड, सत्यनारायण बजाज, सुशील चौधरी, निशांत गौड, सुनील मेघवाल, हरीश भोजक, सुभाष वाल्मिकी, सी.आर. चौधरी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकथाम : जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर लाईव

बीकानेर, 4 फरवरी। 'समाज जागे, बाल विवाह त्यागे' बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बाल अधिकारिता विभाग द्वारा बुधवार को डूडी पेट्रोल पंप के पास स्थित कान गणेश मंदिर में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल अधिकारिता विभाग के अधीक्षक रामनारायण बिश्नोई ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान टीम द्वारा मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों को बाल विवाह के दुष्प्रभाव एवं इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में भी बाधक है। मंदिर के पुजारी श्याम गहलोत व मीना ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बाल विवाह रोकने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया तथा शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में प्रवेश आचार्य, सरिता राठौड़, लक्ष्मी नारायण एवं दर्शनार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अन्त में टीम द्वारा शपथ पत्र भरवाये गये तथा आमजन के अपील की गई कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी बाल विवाह की सूचना संबंधित विभाग या चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 पर तुरंत दें।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

प्रहलाद सबनानी

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है।

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दशार्ता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा।

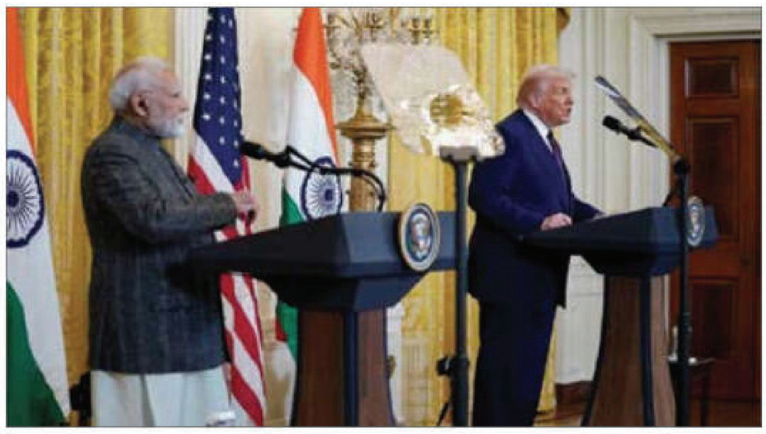

भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी। भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है। लगभग इसी प्रकार का लाभ अन्य क्षेत्रों यथा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा उत्पाद, खिलोना उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी उत्पाद, केमिकल उत्पाद, फर्नीचर उत्पाद आदि, में कार्यरत इकाईयों की भी होने जा रहा है। इन क्षेत्रों में कार्यरत विनिर्माण इकाईयों के व्यापार में वृद्धि का आश्य सीधे सीधे अधिक श्रमबल की आवश्यकता होना भी है, जिसकी पूर्ति आज विश्व में केवल भारत ही कर सकता है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है।

संपादकीय

संसद में अनछपी किताब

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। परंपरा रही है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में सरकार की जिन नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है, सांसद उन पर चर्चा करते हैं। आलोचना भी करते हैं। विपक्ष का एजेंडा कुछ अलग भी हो सकता है। याद करें, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे। तब अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भत्र्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा-विवाद, सुरक्षा-विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत-चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन-लोकसभा और राज्यसभा-निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार-बार हवाला दिया।

स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दे दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढकर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे। राहुल गांधी जो वाक्य बोल पाए, उनमें डोकलाम टकराव का जिक्र सुनाई दिया, जबकि चीनी सेना के साथ तनाव, टकराव और युद्ध जैसे हालात पूर्वी लद्दाख में पैदा हुए थे। जून, 2020 को जो 'गलवान संघर्ष' हुआ और हमारे 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, वह भी लद्दाख में हुआ था। जनरल नरवणे तब सेना प्रमुख थे और वह अप्रैल, 2022 तक इस पद पर रहे। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की कथित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन उसका हार्डकवर अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब के प्रकाशन की अनुमति देना सरकार का विशेषाधिकार है, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख की किताब राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारी युद्ध रणनीति से भी जुड़ी है। हमारा दुश्मन देश उन जानकारियों का नाजायज फायदा उठा सकता है। लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की संसद में आपत्ति और हस्तक्षेप तार्किक था। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर न बोलने दिया जाए, क्योंकि वह देश को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी के हाथ में दिल्ली प्रेस की पत्रिका 'कारवां' की फोटोप्रति थी, जिसमें कुछ अंश छपे हैं। इससे पहले करीब दो साल पहले कुछ अंश 'द प्रिंट' पत्रिका में छप चुके हैं।

समाचार एजेंसी 'पीटीआई' ने कुछ अंश दिसंबर, 2023 में प्रकाशित किए थे। जाहिर है कि जनरल नरवणे की किताब के कई अंश तो सार्वजनिक हो चुके हैं। सदन में रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की जबरदस्त आपत्तियां इसलिए थीं, ताकि राहुल गांधी के जरिए कुछ विवादास्पद जानकारियां लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज न हो सकें और इस तरह विकृत इतिहास न बन सके। दरअसल चीन का मुद्दा जनरल नरवणे के खुलासों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा संदर्भ ने सेना के पूर्व जनरलों और कर्नल सरीखे विशेषज्ञों के विरोधाभास भी बेपर्दा कर दिए। कुछ पूर्व जनरल उन भारत-चीन समझौतों पर ही सवाल उठा रहे हैं, जो 1993, 1997, 2005 से लेकर 2013 तक किए गए थे। गलवान इसीलिए संभव हो सका, क्योंकि हमारे सैनिक हथियार नहीं उठा सकते थे, गोली नहीं चला सकते थे, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौते हुए थे। संसद की कार्यवाही सोमवार को भी नहीं हो सकी, अब भी हंगामा जारी रहेगा, क्योंकि चीन का मुद्दा बेहद संवेदनशील है।

ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

'ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार'– यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद–या शायद इसी कारण–मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं, बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया, पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं, पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं, पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है, लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं, केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी–सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सत?विचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है, पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैं–कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स–हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता, तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता–ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं।

हम बोलना जानते हैं, पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी को समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है, तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता–इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी, पर संयम नहीं सिखाया। गति दी, पर विराम नहीं। साधन दिए, पर मयार्दा नहीं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं, बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है, पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है, और विवेक का विकास मशीनों से नहीं, मानवीय मूल्यों से होता है।

हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं, पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी, पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है, पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं, सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है, तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है, तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं, पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं, सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा।

परिवार, शिक्षा और समाज–तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं, संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं, बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं, बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। और ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी–पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मयार्दाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित ह्यसंस्मरणह्न के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मयार्दा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए।

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैव में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नमिंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी। सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्नुजाना।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण, पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है। ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है। वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामिंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफागानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : ईशान किशन की बड़ी छलांग, टॉप-10 में ये तीन भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ताज़ा सूची में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉप-10 में जगह बनाए हुए हैं और तिलक वर्मा भी बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल हैं। इसी बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी सीरीज के बाद 32 पायदान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बाएं हाथ के ईशान किशन ने महज तीन मैचों में 207 रन बनाए, जिसमें उनका पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी शामिल रहा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जारी हुई इस रैंकिंग ने किशन की मजबूत फॉर्म पर मुहर लगा दी है।

सूर्यकुमार यादव को फायदा, अभिषेक शर्मा कायम शीर्ष पर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी रैंकिंग में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, युवा ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

साइम अयूब बने नंबर-1 टी20ढ्ढ ऑलराउंडर

पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर टी20ढ्ढ ऑलराउंडर्स रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह सीरीज 3-0 से जीती थी, जिसमें 23 वर्षीय अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी झटके। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को शीर्ष स्थान से हटाया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों को भी फायदा

पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अब्रार अहमद ने भी बड़ी छलांग लगाते हुए गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर काबिज वरुण चक्रवर्ती से अब सिर्फ 28 अंक पीछे हैं। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट लिए थे, गेंदबाजों की सूची में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर आठ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की टॉप-10 सूची में भी बदलाव देखने को मिला–इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो बटलर तीसरे स्थान पर पहुंचे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट नौवें स्थान पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के ओपनर रयान रिकेल्टन ने 42 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए। शानदार शतक जड़ने वाले क्विंटन डी कॉक को भी फायदा मिला और वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए।

बार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2–1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

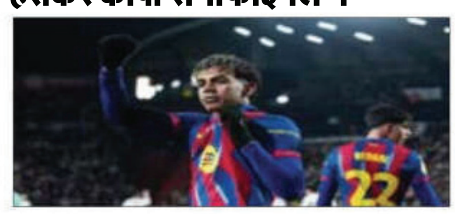

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक–एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2–1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नोमेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नोमेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह– बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह– अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्कारणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन–पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी।

सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डॉसन ने 14 रन बनाए। इसके बाद 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी भी ढ़ेर हो गयी। उसके पांच बल्लेबाजों ने दो अंकों को पार किया पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। , कुसल मेंडिस ने 26 रन , पथुम निसंका ने 23 जबकि जनित लियानगे ने 17 रन बनाये, कमिंदु मेंडिस ने 14 जबकि पवन रथनायके ने 13 रन बनाये। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 4 जबकि विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुअती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5–0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5–0 से आसान जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5–0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4–1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5–0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4–1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5–0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4–1 से हराया। वहीं आकाश ने 75 किग्रा और अंकुश ने 80 किग्रा भाग वर्ग में भी 4–1 के अंतर से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत–पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर। पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत–पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

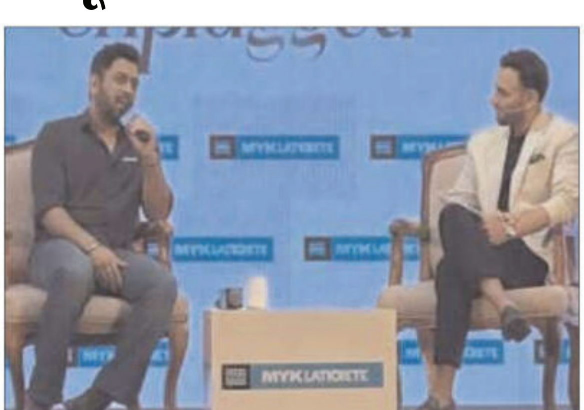

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है।

धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है।

धोनी ने कहा, 'यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं।'

हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं।

धोनी ने कहा, 'मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।'

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम, मेंडिस की वापसी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है। वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशन मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की ञ्20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

संपर्क व्हाट्सएप 9785522911, 82093 94051, bikanerlive.com@gmail.com डाक पता जस्सूसर गेट बाहर दुर्गा माता मंदिर के पास बीकानेर नोट - ई पेपर में प्रकाशित किसी भी सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। फिर भी किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में तमाम न्याय क्षेत्र बीकानेर, राजस्थान होगा।